

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर

Syllabus for Bachelor of Commerce

B.COM – Semester II & III

(To be implemented from the session 2024-25 and onwards)

सत्र 2 व सत्र 3

विषय - हिंदी

अभ्यासक्रम उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी भाषा ज्ञान की समृद्धि से अवगत करना ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य की सम्यक जानकारी प्राप्त करना ।
- विद्यार्थियों में भाषिक संप्रेषण की क्षमता को विकसित करना ।
- दैनिक जीवन और रोजगार में भाषा का उचित प्रयोग सीखना ।
- भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का समग्र विकास करना ।
- विद्यार्थियों को साहित्य के विविध रूपों से परिचित करना ।
- विद्यार्थियों में व्यवसायिक चेतना, राष्ट्रीय चेतना व मानवीय मूल्यों का संवर्धन करना ।
- हिंदी भाषा के व्याकरण और उसकी प्रयोज्यता की व्याख्या करना।
- भाषिक साहित्यिक क्षमता के साथ-साथ रोजगाराभिमुख दृष्टि को आत्मसात करना ।
- वाणिज्य एवं वैचारिक लेखन के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीन चिंतनधारा की ओर अग्रसित कर व्यवसायिक दृष्टिकोण का निर्माण करना ।
- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनशीलता, चरित्र और मूल्यों को जागृत कर सजग और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाने का प्रयास करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Outcome):

- हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति की ऐतिहासिक समझ।
- हिंदी भाषा पर प्रभुत्व और वक्तृत्व शैली का विकास।
- हिंदी भाषा के संरक्षण और संवर्धन में योगदान देना।
- हिंदी व्याकरण और भाषाविज्ञान के संबंध में भाषाई समझ की स्पष्टता ।
- नैतिक मूल्य के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व की भावना निर्मित होना ।
- व्यवसायिक कौशल विकास के माध्यम से उद्यमी दृष्टिकोण का विकास ।
- स्वतंत्र तथा मौलिक लेखन शैली का विकास।

बी.कॉम. द्वितीय सत्र हिंदी

अभ्यासक्रम

- पाठ्यपुस्तक - स्पंदन भाग 1
- प्रयोजन मूलक हिंदी : लेखन कौशल्य, सृजन व सवांद कौशल्य और रोजगार परक हिंदी

अनुक्रमणिका

प्रथम इकाई: गद्य विभाग

- | | |
|--|-----------------------|
| 1. बूढ़ी काकी (कहानी) | मुंशी प्रेमचंद |
| 2. बातचीत में शिष्टाचार (निबंध) | कामता प्रसाद गुरु |
| 3. जल जीवन और संस्कृति (निबंध) | डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र |
| 4. नेतृत्व: इंसोसिस यात्रा के दौरान सीखे सबक | नारायण मूर्ति |

द्वितीय इकाई : पद्य विभाग

- | | |
|---------------------|------------------------|
| 1. कबीर के दोहे | कबीर |
| 2. सब उन्नति को मूल | भारतेन्दु हरिश्चंद्र |
| 3. जीवन का लक्ष्य | डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल |
| 4. दस रूपए | अरविंद भट्ट |

तृतीय इकाई : प्रयोजन मूलक हिंदी

- पत्र लेखन - औपचारिक, अनौपचारिक, (अर्थ, महत्व, प्रकार) कार्यालयीन व व्यवसायिक पत्र, आत्मवृत्त (अर्थ, स्वरूप, प्रकार, प्रारूप)
- अनुवाद: - अर्थ - परिभाषा, स्वरूप, अनुवादक के गुण, सफल अनुवाद की विशेषताएँ, अनुवाद प्रक्रिया, प्रकार ।

चतुर्थ इकाई : हिंदी भाषा और व्याकरण ज्ञान

- पारिभाषिक शब्दावली (वाणिज्य)
- विराम चिह्न एवं अन्य संकेतक चिह्न - अर्थ, परिभाषा, प्रकार, प्रयोग
- शब्द भेद - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर
- वाक्यांशों के लिए एक शब्द (50)

आंतरिक मूल्यांकन

- किसी प्रसिद्ध उद्यमी, समाज सेवी या साहित्यकार का साक्षात्कार के माध्यम से प्रकल्प (Project) निर्माण / रील निर्माण ।
- नौकरी के लिए आवेदन के साथ आत्मवृत्त प्रारूप ।
- किसी कविता, कहानी, लेख का हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में अनुवाद ।

निर्देश

पाठ्यक्रम में निर्धारित की गई पाठ्य पुस्तक से सभी पठन और सभी कविताओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। प्रश्नपत्र 50 अंकों का होगा। 50 अंक आंतरिक मूल्यांकन (Internal assignment) के होंगे।

मूल्यांकन के लिए पाठ्यक्रम के किसी भी घटक पर लिखना। छात्रों द्वारा गृहकार्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। या छात्रों की रचनात्मकता जागरूकता विकसित करने के लिए पाठ्यक्रम से पाठ और कविता पर लिखित में स्वतंत्र विचार माँगे जा सकते हैं। इसके अलावा, छात्र द्वारा अनुभव किए जाने वाले व्यवसायिक कौशल के आधार पर शिक्षक को नई अवधारणाओं और परियोजनाओं का मूल्यांकन करने की स्वतंत्रता होगी।

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन
द्वितीय सत्र

समय: 2 घंटे

पूर्णांक: 50

- प्रश्न 1** प्रथम इकाई गद्य विभाग पर आधारित चार पाठों में से चार प्रश्न। चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। **5x3=15**
- प्रश्न 2** द्वितीय इकाई पद्य पर आधारित चार कविताओं में से चार प्रश्न। चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। **5x3=15**
- प्रश्न 3** तृतीय इकाई प्रयोजनमूलक हिंदी पर आधारित चार प्रश्न। चार में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। **5x2=10**
- प्रश्न 4** चतुर्थ इकाई पर चार प्रश्न जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। **5x2=10**

कुल अंक विभाजन

प्रथम इकाई	-	गद्य	15 अंक
द्वितीय इकाई	-	पद्य	15 अंक
तृतीय इकाई	-	प्रयोजनमूलक हिंदी	10 अंक
चतुर्थ इकाई	-	हिंदी भाषा और व्याकरण ज्ञान	10 अंक
कुल अंक	-		50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 50 अंक

द्वितीय सत्र

1. कल्पना विस्तार (मौलिक सृजनात्मक लेखन) 10 अंक
2. किसी प्रसिद्ध उद्यमी, समाज सेवी या साहित्यकार का साक्षात्कार के माध्यम से प्रकल्प (Project) निर्माण / रील निर्माण। 10 अंक
3. किसी कविता, कहानी, लेख आदि का हिंदी, मराठी, अंग्रेजी अनुवाद। 10 अंक
4. नौकरी के लिए आवेदन के साथ आत्मवृत्त प्रारूप। 10 अंक
5. आंतरिक मूल्यमापन परीक्षा। 10 अंक

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर

Syllabus for Bachelor of Commerce

B.COM - Part - II

(To be implemented from the session 2024-25 and onwards)

Semester III

विषय - हिंदी

बी.कॉम. तृतीय सत्र

अभ्यासक्रम

पाठ्यपुस्तक - स्पंदन भाग 2

□ प्रयोजन मूलक हिंदी : लेखन कौशल्य, सृजन व सवाद कौशल्य और रोजगार परक हिंदी

अनुक्रमणिका

प्रथम इकाई: गद्य विभाग

- | | | |
|----|---|------------------------|
| 1. | साहित्य की महत्ता (निबंध) | महावीर प्रसाद द्विवेदी |
| 2. | पुरस्कार (कहानी) | जयशंकर प्रसाद |
| 3. | कथाकार मन्नू भंडारी से बातचीत (साक्षात्कार) | श्रीमती संतोष गोयल |
| 4. | विज्ञान ए पाठशाला (फीचर लेख) | डॉ बीना शर्मा |

द्वितीय इकाई - पद्य विभाग

- | | | |
|----|-------------------------|--------------------------|
| 1. | रहीम के दोहे | रहीम |
| 2. | तुम्हें नमन | सोहनलाल द्विवेदी |
| 3. | कुछ भी अलौकिक नहीं होता | बसंत त्रिपाठी |
| 4. | आशा | संतोष कुमार पांडे (बादल) |

तृतीय इकाई - प्रयोजन मूलक हिंदी

- हिंदी पत्रकारिता - परिचय और विकास, पत्रकारीय लेखन, समाचार लेखन, समाचार संपादन, फीचर लेखन (अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, विशेषताएँ, प्रकार)
- साक्षात्कार - अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, विशेषताएँ, प्रकार ।

चतुर्थ इकाई - हिंदी भाषा और व्याकरण ज्ञान

- ☐ वाक्य विचार (रचना के आधार पर)
- ☐ मुहावरे और लोकोक्तियाँ (पाठ्यपुस्तक में संकलित)
- ☐ पर्यायवाची शब्द (50)
- ☐ भाषा परिचय - भाषा का अर्थ, परिभाषा, प्रकार (संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, राज्यभाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा)

आंतरिक मूल्यांकन

- ☐ किसी प्रसिद्ध व्यक्तित्व का साक्षात्कार
- ☐ कल्पना विस्तार (मौलिक सृजनात्मक लेखन)
- ☐ फीचर लेखन - प्रकृति परक या विश्लेषणत्मक ।

निर्देश

पाठ्यक्रम में निर्धारित की गई पाठ्य पुस्तक से सभी पठन और सभी कविताओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। प्रश्नपत्र 50 अंकों का होगा। 50 अंक आंतरिक मूल्यांकन (Internal assignment) के होंगे।

मूल्यांकन के लिए पाठ्यक्रम के किसी भी घटक पर लिखना। छात्रों द्वारा गृहकार्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। या छात्रों की रचनात्मकता जागरूकता विकसित करने के लिए पाठ्यक्रम से पाठ और कविता पर लिखित में स्वतंत्र विचार मांगे जा सकते हैं। इसके अलावा, छात्र द्वारा अनुभव किए जाने वाले व्यवसायिक कौशल के आधार पर शिक्षक को नई अवधारणाओं और परियोजनाओं का मूल्यांकन करने की स्वतंत्रता होगी।

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन

तृतीय सत्र

समय: 2 घंटे

पूर्णांक: 50

- प्रश्न 1 प्रथम इकाई गद्य विभाग पर आधारित चार पाठों में से चार प्रश्न। चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5x3=15
- प्रश्न 2 द्वितीय इकाई पद्य पर आधारित चार कविताओं में से चार प्रश्न। चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5x3=15
- प्रश्न 3 तृतीय इकाई प्रयोजनमूलक हिंदी पर आधारित चार प्रश्न। चार में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5x2=10
- प्रश्न 4 चतुर्थ इकाई पर चार प्रश्न जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5x2=10

कुल अंक विभाजन

प्रथम इकाई -	गद्य	15 अंक
द्वितीय इकाई -	पद्य	15 अंक
तृतीय इकाई -	प्रयोजनमूलक हिंदी	10 अंक
चतुर्थ इकाई -	हिंदी भाषा और व्याकरण ज्ञान	10 अंक
कुल अंक -		50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 50 अंक

सत्र तृतीय

1. कल्पना विस्तार (मौलिक सृजनात्मक लेखन) 10 अंक
2. किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का साक्षात्कार । 10 अंक
3. फीचर लेखन, प्रकृति परक या विश्लेषणात्मक । 10 अंक
4. समूह चर्चा (Group Discussion) / किसी प्रसिद्ध साहित्यकार/व्यापारी/ समाजसेवी के व्यक्तित्व पर पी.पी.टी. (Power Pont Presentation) 10 अंक
5. आंतरिक मूल्यमापन परीक्षा। 10 अंक